THE MINISTER OF EDUCATION (SHRI M. C. CHAGLA): Yes, Sir.

Broadly speaking the Centre will aim at the propagation of Indian Culture but the details of the proposal are yet to be given definite shape.

GOODS SENT TO PAKISTAN BY TRADER

185. { SHRI RAM SINGH: SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to refer to the answer given to Starred Question No. 325 in the Rajya Sabha on the 19th November, 1965 and state:

(a) whether the Central Bureau of Investigation has since completed the investigations into the case of the Kanpur trader who had booked G.C. iron sheets, which were intended for Pakistan, during the recent Indo-Pak conflict; and

(b) if so, what are the findings of the investigations?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI JAISUKHLAL HATHI): (a) The case is still under investigation.

(b) Does not arise.

केन्द्रीय सरकार के अधिकारियों द्वारा उत्तीर्ण हिन्दी परिक्षायें

186. **श्री भगवत नारायण भार्गव** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1964-65 और 1965-66 के वर्षों के दौरान केन्द्रीय सरकार के कितने अधिकारियो ने गृह-कार्य मंत्रालय द्वारा विहित हिन्दी परीक्षायें उत्तीर्ण कीं और इस प्रकार उत्तीर्ण की गई परीक्षाओं के नाम क्या हैं; और

(ख) जिन अधिकारियों ने विहित हिन्दी परीक्षायें उत्तीर्ण की हैं, क्या उनको कोई हिदायतें दी गई हैं कि वे अपनी टिप्पण हिन्दी में लिखें ?

†[HINDI EXAMINATIONS PASSED BY CENTRAL GOVERNMENT OFFICERS

186. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of Central Government officers who have passed the Hindi examinations, prescribed by the Ministry of Home Affairs during the years 1964-65 and 1965-66 and the names of the examinations so passed; and

(b) whether any instructions have been issued to the officers, who have passed the prescribed examinations in Hindi, to do their noting in Hindi?]

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री पी० एस० नरकर) : (क) केन्द्रीय सरकार के जिन अधिकारियों ने 1964-65 और 1965-66 में गृह मंत्रालय द्वारा विहित विभिन्न हिन्दी परीक्षाएं पास की हैं उनकी संख्या इस प्रकार है :—

1964-65—

प्रबोध	4,827
प्रवीण	7,230
प्राज्ञ	14,233
योग	26,290

1965-66 (जून तक) —

प्रबोध	3,064
प्रवीण	5,961
प्राज्ञ	4,757
योग	13,782

(ख) गृह-कार्य मंत्रालय के 4 अक्तूबर, 1960 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 16/30/60 ओ० एल० के जरिये ये हिदायतें दी

†[ ] English translation.

गई थीं कि हिन्दी में प्रशिक्षित कर्मचारियों का हिन्दी का कुछ काम करने के लिए उपयोग किया जाये । किन्तु इस तथ्य को देखते हुए कि 26 जनवरी, 1965 के बाद भी अंग्रेजी भाषा को सहायक भाषा के रूप में जारी रखा गया है, ऐसे अधिकारियों को अपना टिप्पण कार्य हिन्दी में करने को नहीं कहा गया है ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. S. NASKAR): (a) The number of Central Government officers who have passed the various Hindi examinations prescribed by the Home Ministry during 1964-65 and 1965-66 is as follows:—

1964-65—	
Prabodh . . .	4,827
Praveen . . .	7,230
Pragya	14,233
TOTAL . .	26,290
1965-66 (uptil June)—	
Prabodh . . .	3,064
Praveen . . .	5,961
Pragya	4,757
TOTAL . .	13,782

(b) Instructions were issued to all Ministries *vide* Home Ministry's O. M. No. 16/30/60-OL, dated the 4th October, 1960 that Hindi trained staff should be used or doing some Hindi work. In view, however, of the fact that the English language has been continued as an associate official language after 26th January 1965, such officers have not been required to do their noting in Hindi.]

वास्तु-कला का तीन वर्ष का डिप्लोमा पाठ्य-क्रम

187. **श्री भगवत नारायण भार्गव** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग के अध्ययन दल द्वारा 1965 में की गई सिफ़ारिश के अनुसार पोलीटेक्नीकों तथा अन्य संस्थानों में वास्तु-कला के तीन वर्ष के डिप्लोमा अथवा सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम आरम्भ करने का विचार कर रही है ; यदि हां, तो वे कब तक और किन-किन स्थानों में आरम्भ किये जायेंगे ; और

(ख) उक्त समिति की सिफ़ारिशों के अनुसार सट्रेल स्कूलों के कर्मचारियों के बच्चों के लिए उक्त-पाठ्यक्रम कहां-कहां आरम्भ किये जायेंगे ?

†[THREE YEARS DIPLOMA COURSE IN ARCHITECTURE

187. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether Government propose to start three years diploma or certificate course in architecture in polytechnics and in other institutions as recommended by the study team on Central Public Works Department in 1965; if so, when these would be started and at what places; and

(b) what are the names of the places where the said courses would be started for the children of the Central Schools Employees according to the recommendations of the said committee?]

शिक्षा मंत्री (श्री एम० सी० चागला) : (क) वास्तुकला-सहायक का एक तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम निम्नलिखित संस्थाओं में पहले से ही चल रहा है :—

1. वास्तुकला कालेज, चन्डीगढ़ ।
2. महिला पोलिटेक्निक, नई दिल्ली ।
3. महिला राजकीय पोलिटेक्निक, चन्डीगढ़ ।

†[ ] English translation.